भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-3748

11 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय : राष्ट्रीय बांस मिशन

3748. डॉ. मन्ना लाल रावत:

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे राष्ट्रीय बांस मिशन का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए इस मिशन के अंतर्गत लाभान्वित हुए लाभार्थियों का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा रेगिस्तानी भूमि पर बांस की खेती के संबंध में कोई अनुसंधान किया गया है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार द्वारा राजस्थान राज्य में राष्ट्रीय बांस मिशन के अंतर्गत बांस की खेती को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं; तथा

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)

(क): पुनर्गठित राष्ट्रीय बांस मिशन (एनबीएम) को वर्ष 2018-19 में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में प्रारंभ किया गया। यह बांस की पूरी वैल्यू चेन को विकसित करने पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य क्लस्टर अप्रोच के ज़रिए गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री, बांसारोपण, संग्रहण, समेकन, प्रसंस्करण, विपणन तथा ब्रांड-बिल्डिंग जैसी गतिविधियों के माध्यम से उत्पादकों को उपभोक्ताओं से जोड़ना है। इसका क्रियान्वयन गैर-वन सरकारी भूमि, किसानों की निजी भूमि तथा वन अधिकार अधिनियम (एफआरए), 2006 के अंतर्गत प्रदत्त पट्टा भूमि पर किया जा रहा है।

(ख): राज्य सरकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, लाभार्थियों का राज्यवार एवं वर्षवार विवरण अनुलग्नक-I में दिया गया है।

(ग) एवं (घ): स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू), बीकानेर, राजस्थान द्वारा शुष्क कृषि-जलवायु परिस्थितियों (मरुस्थलीय क्षेत्र) में बांस की खेती पर अनुसंधान किया गया है। इस अनुसंधान का मुख्य फोकस शुष्क वातावरण के लिए उपयुक्त बांस प्रजातियों एवं पौधों की अनुकूलतम दूरी की पहचान, ड्रिप/सूक्ष्म सिंचाई एवं फर्टिगेशन तकनीकों का मूल्यांकन, बीज एवं वानस्पतिक विधियों द्वारा प्रसार तथा शुष्क परिस्थितियों में पौधों की वृद्धि संबंधी मानकों का आकलन करना था।

अनुसंधान के निष्कर्षों से यह ज्ञात हुआ कि बम्बूसा बालकोआ (Bambusa balcooa) जैसी प्रजातियाँ सर्वाधिक उपयुक्त पाई गई, इसके अलावा डेंड्रोकैलामस हैमिल्टोनी (Dendrocalamus hamiltonii) तथा अन्य कुछ सूखा-सहिष्णु प्रजातियाँ उपयुक्त पाई गईं। बम्बूसा वल्गारिस (Bambusa vulgaris), बम्बूसा वेंट्रिकोस (Bambusa ventricose), बम्बूसा बाम्बोस (Bambusa bambos), डेंड्रोकैलामस स्ट्रिक्टस (Dendrocalamus strictus) तथा बम्बूसा नुटैन्स (Bambusa nutans) ने सीमित सिंचाई एवं उपयुक्त प्रबंधन पद्धतियों के अंतर्गत शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में अनुकूलन क्षमता प्रदर्शित की है।

(ङ) एवं (च): राष्ट्रीय बांस मिशन का राजस्थान राज्य में वित्तीय वर्ष 2025-26 से क्रियान्वयन किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बांसरोपण तथा अन्य गतिविधियों हेतु ₹303.79 लाख की वार्षिक कार्य योजना को अनुमोदित किया गया है।

लोक सभा में दिनांक 11.08.2026 को उत्तर दिए जाने वाले अतारांकित प्रश्न संख्या 3748 का अनुबंध।

अनुबंध-I

पिछले तीन वर्षों (2023-24 से 2025-26) के दौरान राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत राज्य-वार, वर्ष-वार लाभार्थियों का विवरण

क्रम संख्या	राज्य का नाम	लाभार्थियों की संख्या*		
		2023-24	2024-25	2025-26
1	आंध्र प्रदेश	एन आई	348	1726
2	बिहार	एन आई	एन आई	2578
3	छत्तीसगढ़	1049	1360	1848
4	गुजरात	528	1174	467
5	हिमाचल प्रदेश	एन आई	786	952
6	कर्नाटक	115	12	26
7	केरल	22	32	-
8	मध्य प्रदेश	3644	3110	2141
9	महाराष्ट्र	-	1746	1037
10	ओडिशा	167	44	-
11	राजस्थान	एन आई	एन आई	270
12	तमिलनाडु	830	533	663
13	तेलंगाना	80	51	151
14	उत्तर प्रदेश	13	29	13
15	उत्तराखंड	18	41	17
	पूर्वोत्तर राज्य			
16	अरुणाचल प्रदेश	813	1916	626
17	असम	271	-	74
18	मणिपुर	105	66	190
19	मेघालय	एन आई	74	209
20	मिजोरम	254	50	143
21	नागालैंड	823	830	100
22	सिक्किम	16	28	11
23	त्रिपुरा	43	132	1585

*नोट: लाभार्थियों में किसान, कारीगर और उद्यमी शामिल हैं

एन आई: कार्यान्वित नही किया गया

*****